Name: _____ Date: _____

मिठाईवाला

प्रश्न-1 रोहिणी को मुरलीवाले के स्वर से खिलौनेवाले का स्मरण क्यों हो आया?

उत्तर _____

_____

प्रश्न-2 रोहिणी फेरीवाले के बारे में क्यों जानना चाहती थी?

उत्तर _____

_____

_____

प्रश्न-3 'अब इस बार ये पैसे न लूँगा-कहानी के अंत में मिठाईवाले ने ऐसा क्यों कहा?

उत्तर _____

_____

_____

प्रश्न-4 मिठाईवाले की मिठाइयाँ कैसी थी?

उत्तर _____

_____

_____

_____

www.educationwithfun.com

मिठाईवाला

प्रश्न-1 रोहिणी को मुरलीवाले के स्वर से खिलौनेवाले का स्मरण क्यों हो आया?

उत्तर रोहिणी को मुरलीवाले के स्वर से खिलौनेवाले का स्मरण हो आया क्योंकि खिलौनेवाला भी इसी तरह गा-गाकर खिलौने बेचा करता था।

प्रश्न-2 रोहिणी फेरीवाले के बारे में क्यों जानना चाहती थी?

उत्तर फेरीवाला बच्चों के साथ बहुत प्यार से बातें करता था और सौदा भी सस्ता बेचता था। रोहिणी जानना चाहती थी कि वह कौन है और उसे ऐसा करने से क्या मिलता है।

प्रश्न-3 'अब इस बार ये पैसे न लूँगा-कहानी के अंत में मिठाईवाले ने ऐसा क्यों कहा?

उत्तर 'अब इस बार ये पैसे न लूँगा-कहानी के अंत में मिठाईवाले ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि चुन्नू और मुन्नू को देखकर उसे अपने बच्चों का स्मरण हो आया था।

प्रश्न-4 मिठाईवाले की मिठाइयाँ कैसी थी?

उत्तर मिठाईवाले की मिठाइयाँ - रंग-बिरंगी, कुछ-कुछ खट्टी, कुछ-कुछ मीठी, जायकेदार, बड़ी देर तक मुँह में टिकने वाली, जल्दी न घुलने वाली, चपटी, गोल, पहलदार गोलियाँ थीं। बच्चे इसे बड़े चाव से चूसते थे। इन गुणों के सिवा ये खाँसी भी दूर करती थी।

www.educationwithfun.com